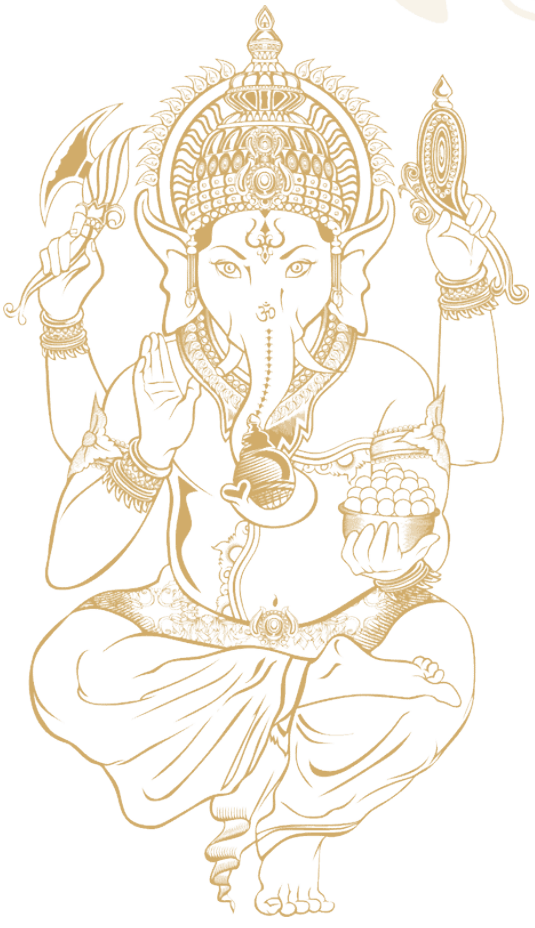

Meena Sharma

10 Mar 1969

11:30 AM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121568301

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/03/1969	जन्म तिथि	**10-11/03/2026**
सोमवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 11:30:00	जन्म समय	05:28:12 घंटे
घटी 12:09:17	जन्म समय(घटी)	57:05:23 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:38:17	सूर्योदय	06:38:02
18:24:54	सूर्यास्त	18:25:43
23:25:36	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:29

वृष	लग्न	कुम्भ
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
वृश्चिक	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
अनुराधा	नक्षत्र	ज्येष्ठा
शनि	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	2
वज्र	योग	वज्र
विष्टि	करण	बालव
नू-नूर	जन्म नामाक्षर	या-यामिनी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	कीटक
मृग	योनि	मृग
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मृग
57	गत/तत्कालिक वर्ष	58

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
मृगशिरा	2	27:13:31	वृष		
पू०भाद्रपद	2	26:03:55	कुंभ		
अनुराधा	3	11:58:03	वृश्चि		
अनुराधा	3	12:08:00	वृश्चि		
धनिष्ठा	3	03:03:10	कुंभ		
उ०फाल्गुनी	4	09:12:46	कन्या	व	
अश्विनी	1	02:06:21	मेष		
अश्विनी	1	00:18:57	मेष		
उ०भाद्रपद	2	06:52:16	मीन		
उ०फाल्गुनी	4	06:52:16	कन्या		
उ०फाल्गुनी	4	09:05:03	कन्या	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कुंभ	00:44:52	3	धनिष्ठा
सूर्य			कुंभ	26:11:32	2	पू०भाद्रपद
चंद्र			वृश्चि	21:48:24	2	ज्येष्ठा
मंगल		अ	कुंभ	12:23:48	2	शतभिषा
बुध	व	अ	कुंभ	19:08:32	4	शतभिषा
गुरु	व		मिथु	20:51:46	1	पुनर्वसु
शुक्र			मीन	11:25:59	3	उ०भाद्रपद
शनि			मीन	08:42:39	2	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	14:39:53	3	शतभिषा
केतु	व		सिंह	14:39:53	1	पू०फाल्गुनी
मु	प		कुंभ	27:13:31	3	पू०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

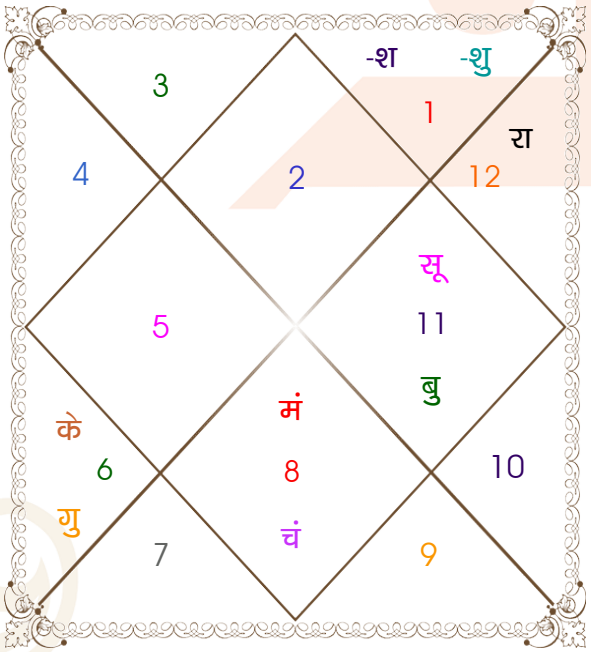

वर्ष लग्न कुंडली

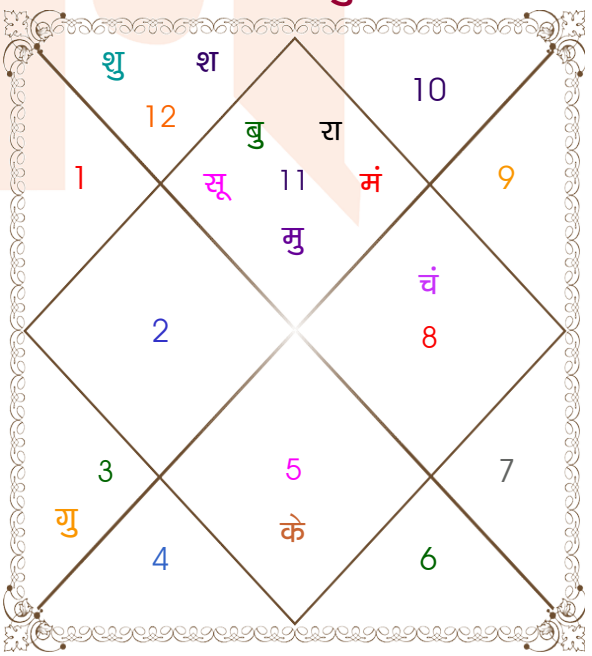

चन्द्र कुंडली

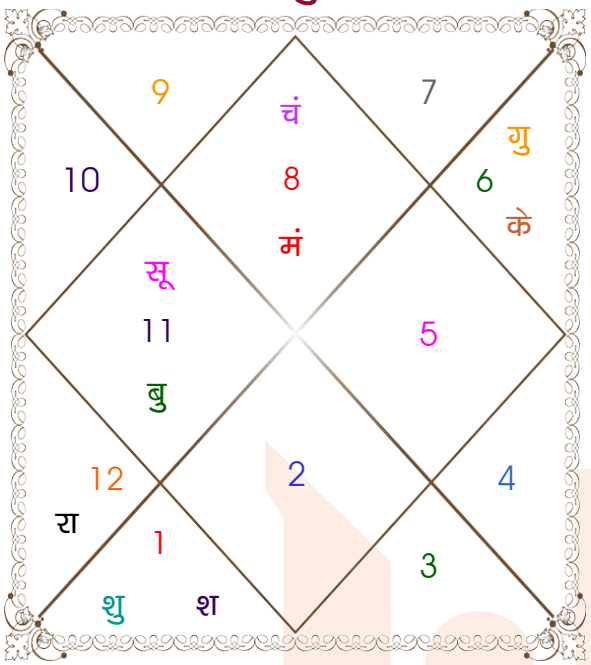

वर्ष चन्द्र कुंडली

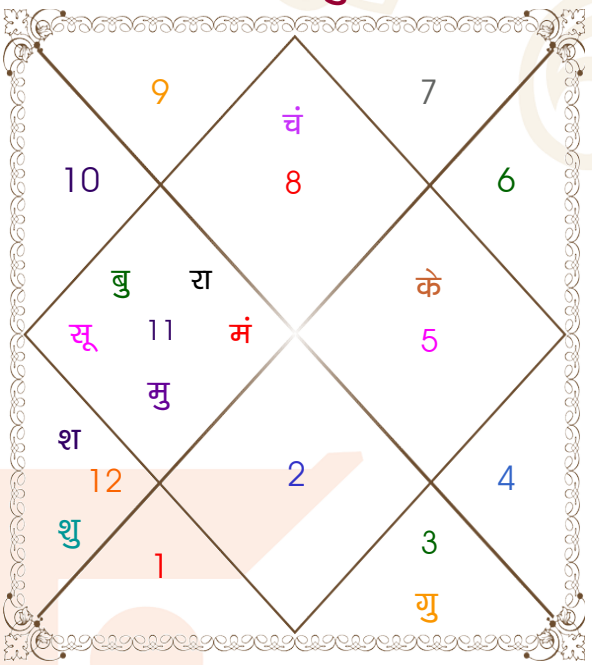

नवमांश कुंडली

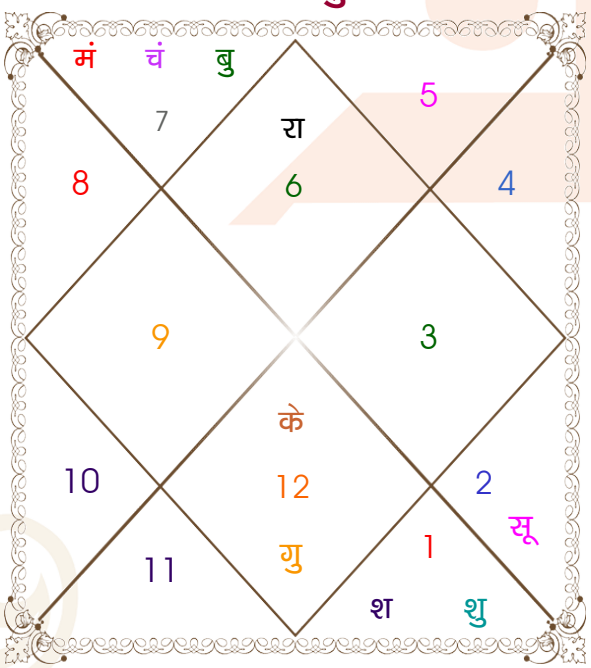

वर्ष नवमांश कुंडली

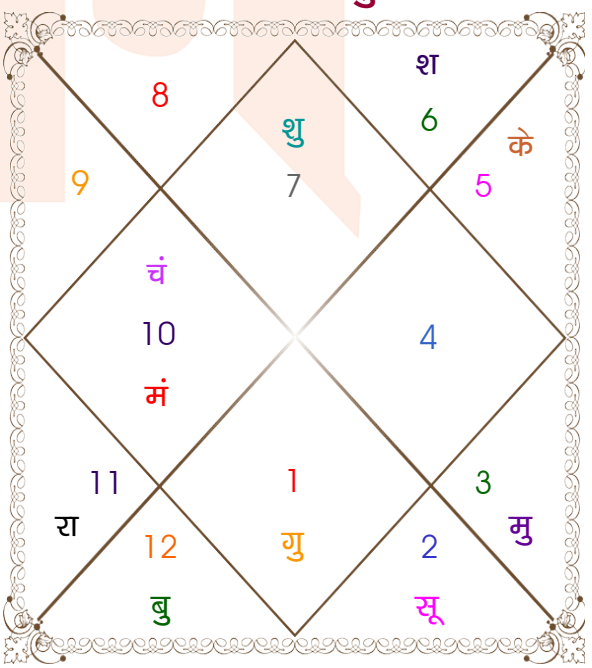

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
चन्द्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र
मंगल	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	सम	सम
गुरु	मित्र	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	मित्र	सम	सम	शत्रु	---	शत्रु
शनि	सम	मित्र	सम	सम	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कुंभ	कुंभ	वृश्चि	कुंभ	कुंभ	मिथु	मीन	मीन
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	तुला	कर्क	वृष	मिथु	मिथु	सिंह	मीन	मक
चतुर्थांश	कुंभ	वृश्चि	वृष	वृष	सिंह	धनु	मिथु	मिथु
पंचमांश	मेष	तुला	मक	धनु	मिथु	मिथु	कन्या	कन्या
षष्ठांश	मेष	कन्या	कुंभ	मिथु	कर्क	सिंह	धनु	वृश्चि
सप्तमांश	कुंभ	सिंह	तुला	मेष	मिथु	तुला	वृश्चि	वृश्चि
अष्टमांश	सिंह	कुंभ	मक	वृश्चि	मक	तुला	सिंह	कर्क
नवमांश	तुला	वृष	मक	मक	मीन	मेष	तुला	कन्या
दशमांश	कुंभ	तुला	कुंभ	मिथु	सिंह	धनु	कुंभ	मक
एकादशांश	मक	तुला	वृष	वृष	सिंह	धनु	मिथु	वृष
द्वादशांश	कुंभ	धनु	कर्क	मिथु	कन्या	कुंभ	कर्क	मिथु

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	शत्रु	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
होरा	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	स्व	सम	सम
पंचमांश	सम	मित्र	मित्र	स्व	मित्र	सम	सम
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम
सप्तमांश	स्व	मित्र	स्व	स्व	शत्रु	सम	सम
अष्टमांश	सम	मित्र	स्व	सम	शत्रु	सम	मित्र
नवमांश	सम	मित्र	सम	मित्र	मित्र	स्व	सम
दशमांश	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व
एकादशांश	सम	मित्र	सम	शत्रु	स्व	सम	शत्रु
द्वादशांश	मित्र	स्व	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	सम
शुभ	2	10	3	5	8	3	4
सम	6	0	4	2	1	5	6
अशुभ	4	2	5	5	3	4	2
कुल	अशुभ	शुभ	अशुभ	सम	शुभ	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	5	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	0
तृतीय बल	0	0	0	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	5	0	15	5	15	10
बल	अतिक्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	बली	क्षीण	बली	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	7.50	15.00	15.00	22.50	7.50	7.50
उच्च बल	15.13	2.09	18.40	2.87	18.43	18.27	4.59
हददा बल	7.50	7.50	3.75	11.25	11.25	15.00	3.75
द्रेष्काण	2.50	7.50	2.50	10.00	7.50	2.50	10.00
नवमांश	2.50	3.75	2.50	3.75	3.75	5.00	2.50
कुल	42.63	28.34	42.15	42.87	63.43	48.27	28.34
विंशोपक	10.66	7.08	10.54	10.72	15.86	12.07	7.08
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	बली	शुभ	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	12.07	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	शनि	7.08	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	शनि	7.08	दृष्टि नहीं	गुरु
दिवापति	मंगल	10.54	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	गुरु	15.86	अतिशुभ	

पात्यंश दशा

लग्न		शनि		शुक्र		मंगल		बुध	
11/03/2026		21/03/2026		10/07/2026		17/08/2026		31/08/2026	
21/03/2026		10/07/2026		17/08/2026		31/08/2026		03/12/2026	
	11/03/2026	शनि	24/04/2026	शुक्र	14/07/2026	मंगल	18/08/2026	बुध	24/09/2026
शनि	14/03/2026	शुक्र	05/05/2026	मंगल	16/07/2026	बुध	21/08/2026	गुरु	30/09/2026
शुक्र	15/03/2026	मंगल	10/05/2026	बुध	25/07/2026	गुरु	22/08/2026	चंद्र	03/10/2026
मंगल	16/03/2026	बुध	07/06/2026	गुरु	28/07/2026	चंद्र	22/08/2026	सूर्य	19/10/2026
बुध	18/03/2026	गुरु	14/06/2026	चंद्र	29/07/2026	सूर्य	25/08/2026	लग्न	22/10/2026
गुरु	19/03/2026	चंद्र	18/06/2026	सूर्य	05/08/2026	लग्न	25/08/2026	शनि	19/11/2026
चंद्र	19/03/2026	सूर्य	07/07/2026	लग्न	06/08/2026	शनि	29/08/2026	शुक्र	29/11/2026
सूर्य	21/03/2026	लग्न	10/07/2026	शनि	17/08/2026	शुक्र	31/08/2026	मंगल	03/12/2026

गुरु		चंद्र		सूर्य		सूर्य		सूर्य	
03/12/2026		27/12/2026		09/01/2027		09/01/2027		09/01/2027	
27/12/2026		09/01/2027		11/03/2027		11/03/2027		11/03/2027	
गुरु	04/12/2026	चंद्र	27/12/2026	सूर्य	19/01/2027	सूर्य	19/01/2027	सूर्य	19/01/2027
चंद्र	05/12/2026	सूर्य	29/12/2026	लग्न	21/01/2027	लग्न	21/01/2027	लग्न	21/01/2027
सूर्य	09/12/2026	लग्न	30/12/2026	शनि	08/02/2027	शनि	08/02/2027	शनि	08/02/2027
लग्न	10/12/2026	शनि	03/01/2027	शुक्र	15/02/2027	शुक्र	15/02/2027	शुक्र	15/02/2027
शनि	17/12/2026	शुक्र	04/01/2027	मंगल	17/02/2027	मंगल	17/02/2027	मंगल	17/02/2027
शुक्र	20/12/2026	मंगल	05/01/2027	बुध	05/03/2027	बुध	05/03/2027	बुध	05/03/2027
मंगल	20/12/2026	बुध	08/01/2027	गुरु	09/03/2027	गुरु	09/03/2027	गुरु	09/03/2027
बुध	27/12/2026	गुरु	09/01/2027	चंद्र	11/03/2027	चंद्र	11/03/2027	चंद्र	11/03/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु	
11/03/2026		**11/05/2026**		**29/05/2026**		**28/06/2026**		**20/07/2026**	
11/05/2026		**29/05/2026**		**28/06/2026**		**20/07/2026**		**12/09/2026**	
शुक्र	21/03/2026	सूर्य	12/05/2026	चंद्र	31/05/2026	मंगल	30/06/2026	राहु	28/07/2026
सूर्य	24/03/2026	चंद्र	13/05/2026	मंगल	02/06/2026	राहु	03/07/2026	गुरु	04/08/2026
चंद्र	29/03/2026	मंगल	14/05/2026	राहु	07/06/2026	गुरु	06/07/2026	शनि	13/08/2026
मंगल	02/04/2026	राहु	17/05/2026	गुरु	11/06/2026	शनि	09/07/2026	बुध	21/08/2026
राहु	11/04/2026	गुरु	19/05/2026	शनि	16/06/2026	बुध	12/07/2026	केतु	24/08/2026
गुरु	19/04/2026	शनि	22/05/2026	बुध	20/06/2026	केतु	13/07/2026	शुक्र	02/09/2026
शनि	28/04/2026	बुध	25/05/2026	केतु	22/06/2026	शुक्र	17/07/2026	सूर्य	05/09/2026
बुध	07/05/2026	केतु	26/05/2026	शुक्र	27/06/2026	सूर्य	18/07/2026	चंद्र	09/09/2026
केतु	11/05/2026	शुक्र	29/05/2026	सूर्य	28/06/2026	चंद्र	20/07/2026	मंगल	12/09/2026

गुरु		शनि		बुध		केतु		केतु	
12/09/2026		**31/10/2026**		**28/12/2026**		**18/02/2027**		**18/02/2027**	
31/10/2026		**28/12/2026**		**18/02/2027**		**11/03/2027**		**11/03/2027**	
गुरु	19/09/2026	शनि	09/11/2026	बुध	04/01/2027	केतु	19/02/2027	केतु	19/02/2027
शनि	27/09/2026	बुध	17/11/2026	केतु	07/01/2027	शुक्र	22/02/2027	शुक्र	22/02/2027
बुध	04/10/2026	केतु	21/11/2026	शुक्र	16/01/2027	सूर्य	24/02/2027	सूर्य	24/02/2027
केतु	06/10/2026	शुक्र	30/11/2026	सूर्य	18/01/2027	चंद्र	25/02/2027	चंद्र	25/02/2027
शुक्र	14/10/2026	सूर्य	03/12/2026	चंद्र	23/01/2027	मंगल	27/02/2027	मंगल	27/02/2027
सूर्य	17/10/2026	चंद्र	08/12/2026	मंगल	26/01/2027	राहु	02/03/2027	राहु	02/03/2027
चंद्र	21/10/2026	मंगल	12/12/2026	राहु	03/02/2027	गुरु	05/03/2027	गुरु	05/03/2027
मंगल	24/10/2026	राहु	20/12/2026	गुरु	09/02/2027	शनि	08/03/2027	शनि	08/03/2027
राहु	31/10/2026	गुरु	28/12/2026	शनि	18/02/2027	बुध	11/03/2027	बुध	11/03/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - चंद्र - गुरु	
16/02/2026 15:01	
29/03/2026 05:01	
गुरु	22/02/2026 00:53
शनि	28/02/2026 11:06
बुध	06/03/2026 05:05
केतु	08/03/2026 13:54
शुक्र	15/03/2026 08:14
सूर्य	17/03/2026 08:56
चंद्र	20/03/2026 18:06
मंगल	23/03/2026 02:55
राहु	29/03/2026 05:01

चंद्र - चंद्र - शनि	
29/03/2026 05:01	
16/05/2026 09:38	
शनि	05/04/2026 20:09
बुध	12/04/2026 16:00
केतु	15/04/2026 11:28
शुक्र	23/04/2026 12:14
सूर्य	25/04/2026 22:04
चंद्र	29/04/2026 22:27
मंगल	02/05/2026 17:56
राहु	09/05/2026 23:25
गुरु	16/05/2026 09:38

चंद्र - चंद्र - बुध	
16/05/2026 09:38	
28/06/2026 12:31	
बुध	22/05/2026 12:15
केतु	25/05/2026 00:37
शुक्र	01/06/2026 05:05
सूर्य	03/06/2026 08:50
चंद्र	06/06/2026 23:04
मंगल	09/06/2026 11:27
राहु	15/06/2026 22:40
गुरु	21/06/2026 16:39
शनि	28/06/2026 12:31

चंद्र - चंद्र - केतु	
28/06/2026 12:31	
16/07/2026 06:38	
केतु	29/06/2026 13:22
शुक्र	02/07/2026 12:23
सूर्य	03/07/2026 09:42
चंद्र	04/07/2026 21:12
मंगल	05/07/2026 22:04
राहु	08/07/2026 13:59
गुरु	10/07/2026 22:48
शनि	13/07/2026 18:16
बुध	16/07/2026 06:38

चंद्र - चंद्र - शुक्र	
16/07/2026 06:38	
05/09/2026 00:08	
शुक्र	24/07/2026 17:33
सूर्य	27/07/2026 06:26
चंद्र	31/07/2026 11:53
मंगल	03/08/2026 10:54
राहु	11/08/2026 01:32
गुरु	17/08/2026 19:52
शनि	25/08/2026 20:38
बुध	02/09/2026 01:07
केतु	05/09/2026 00:08

चंद्र - चंद्र - सूर्य	
05/09/2026 00:08	
20/09/2026 05:23	
सूर्य	05/09/2026 18:24
चंद्र	07/09/2026 00:50
मंगल	07/09/2026 22:09
राहु	10/09/2026 04:56
गुरु	12/09/2026 05:38
शनि	14/09/2026 15:28
बुध	16/09/2026 19:12
केतु	17/09/2026 16:31
शुक्र	20/09/2026 05:23

चंद्र - मंगल - मंगल	
20/09/2026 05:23	
02/10/2026 15:40	
मंगल	20/09/2026 22:47
राहु	22/09/2026 19:32
गुरु	24/09/2026 11:18
शनि	26/09/2026 10:32
बुध	28/09/2026 04:47
केतु	28/09/2026 22:11
शुक्र	30/09/2026 23:54
सूर्य	01/10/2026 14:49
चंद्र	02/10/2026 15:40

चंद्र - मंगल - राहु	
02/10/2026 15:40	
03/11/2026 14:42	
राहु	07/10/2026 10:44
गुरु	11/10/2026 17:00
शनि	16/10/2026 18:27
बुध	21/10/2026 07:06
केतु	23/10/2026 03:51
शुक्र	28/10/2026 11:41
सूर्य	30/10/2026 02:02
चंद्र	01/11/2026 17:57
मंगल	03/11/2026 14:42

चंद्र - मंगल - गुरु	
03/11/2026 14:42	
02/12/2026 00:30	
गुरु	07/11/2026 09:36
शनि	11/11/2026 21:33
बुध	15/11/2026 22:09
केतु	17/11/2026 13:55
शुक्र	22/11/2026 07:33
सूर्य	23/11/2026 17:38
चंद्र	26/11/2026 02:27
मंगल	27/11/2026 18:14
राहु	02/12/2026 00:30

चंद्र - मंगल - शनि	
02/12/2026 00:30	
04/01/2027 18:08	
शनि	07/12/2026 08:42
बुध	12/12/2026 03:23
केतु	14/12/2026 02:37
शुक्र	19/12/2026 17:34
सूर्य	21/12/2026 10:02
चंद्र	24/12/2026 05:31
मंगल	26/12/2026 04:44
राहु	31/12/2026 06:11
गुरु	04/01/2027 18:08

चंद्र - मंगल - बुध	
04/01/2027 18:08	
03/02/2027 22:33	
बुध	09/01/2027 00:46
केतु	10/01/2027 19:01
शुक्र	15/01/2027 19:45
सूर्य	17/01/2027 07:59
चंद्र	19/01/2027 20:21
मंगल	21/01/2027 14:36
राहु	26/01/2027 03:16
गुरु	30/01/2027 03:51
शनि	03/02/2027 22:33

चंद्र - मंगल - केतु	
03/02/2027 22:33	
16/02/2027 08:50	
केतु	04/02/2027 15:57
शुक्र	06/02/2027 17:40
सूर्य	07/02/2027 08:35
चंद्र	08/02/2027 09:26
मंगल	09/02/2027 02:50
राहु	10/02/2027 23:35
गुरु	12/02/2027 15:21
शनि	14/02/2027 14:35
बुध	16/02/2027 08:50

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं नौकरी या राजनीति में किसी प्रभावशाली पद को प्राप्त करने में सफल हो सकती है। व्यापारिक क्षेत्र में भी आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे तथा इच्छित मात्रा में धनार्जन एवं लाभ होता रहेगा साथ ही व्यापार में विस्तार तथा अन्य नवीन कार्यो को भी आप प्रारम्भ करेंगी जिससे प्रचुर आय होगी ।फलतः आर्थिक रूप से आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इस वर्ष शत्रु वर्ग को पराजित करने में समर्थ रहेंगी फलतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक प्रतियोगिता या अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको सफलता मिलने की प्रबल संभावनाएं रहेंगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के लोग या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आपके विगत रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा भाग्योदय संबधी किसी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिलेगी। अन्य सांसारिक कार्यो से भी आपको खुशी होगी एवं कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आप को संतति की प्राप्ति या संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग भी प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में वाहन संबधी सुख भी मिलेगा। अतः आपका अधिकांश समय सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
11/03/2026 05:28:12 से 10/04/2026 15:59:15 तक

आपका यह मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में भी वृद्धि होगी एवं शत्रुवर्ग आपसे भयभीत होगा। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से इस समय आप सम्मान अर्जित करेंगी एवं लाभमार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही कार्य के अतिरिक्त अन्य स्रोंतो से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। आप इस मास में समाज तथा बन्धु वर्ग से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही भाग्यबल से आपके रुके हुए कार्य भी सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता अर्जित करेंगी एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा न्यूनाधिक अशुभ फल भी प्राप्त हो सकते हैं। इससे आप गर्मी तथा पित्त से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से आपमें रक्त विकार भी उत्पन्न हो सकता है। अतः शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें।

द्वितीय मास
10/04/2026 15:59:15 से 11/05/2026 02:30:18 तक

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कठिनाइयों की अनुभूति करेंगी। बन्धु वर्ग से इस समय आपके सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे एवं इनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे उनकी ओर से आप चिन्तित एवं भयातुर रहेंगी। आपके उत्साह में भी इस मास न्यूनता परिलक्षित होगी तथा व्यय भी आवश्यकता से अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा लालची प्रवृति की प्रधानता रहेगी। स्वबन्धुवर्ग एवं मित्रों से आपके तनावपूर्ण संबंध रहेंगे जिससे मित्र गण भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे अतः आप स्वयं को मानसिक रूप से अस्वस्थ महसूस करेंगी। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद या संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होगी। अतः सावधानीपूर्वक समय के अशुभ प्रभाव को मध्य नजर रखते हुए अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगी एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी कष्टानुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुर क्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस समय अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है। इस प्रकार यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय मास
11/05/2026 02:30:18 से 10/06/2026 13:01:21 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी तथा मानसिक रूप से भी शान्त रहेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा अपने शत्रुओं का दमन करने में आप सफल रहेंगी एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आय के अन्य स्त्रोंतो से आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करेंगी। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे तथा ऐसे कार्यों की भी सिद्धि होगी जिनकी आप दीर्घ समय से प्रतीक्षा कर रहीं थीं। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर सम्बन्ध होंगे तथा उनसे पूर्ण मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा भी प्राप्त होगी। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी इस मास सफलता प्राप्त करेंगी राज्य या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः उनसे आप पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा सम्पूर्ण मास प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। इस समय धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी। इसके अतिरिक्त समाज एवं समाजिक जनों में आपकी प्रतिष्ठा रहेगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा।

चतुर्थ मास
10/06/2026 13:01:21 से 10/07/2026 23:32:24 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपको पति एवं बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त होगा तथा शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा जिससे उनकी ओर से आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। अतः आप मानसिक रूप से उद्विग्न तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस मास आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन भी अधिक मात्रा में खर्च होगा। अतः आप आर्थिक संकट से भी कष्टानुभूति करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा लोभ के भाव की भी प्रबलता आपके स्वभाव में रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा मित्र भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक या अन्य समाजिक जनों से भी विवाद आदि की आशंका बनी रहेगी अतः यह समय आपके लिए कष्टदायक ही रहेगा।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से पीड़ित भी रहेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय बना रहेगा एवं इसके द्वारा न्यूनाधिक आर्थिक हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें जिससे अशुभ फलों में न्यूनता हो सके।

पंचम् मास
10/07/2026 23:32:24 से 10/08/2026 10:03:27 तक

इस मास में आप शुभ फल प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप शान्त रहेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगी। साथ ही आपके आय स्त्रोंतो में भी उन्नति तथा वृद्धि होगी। फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। इसके साथ ही व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोंतो से भी लाभार्जन करेंगी। इस मास में आप भाग्योदय संबधी कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी तथा रुके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सफल हो जाएंगे। अपने मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगी।

इसके साथ ही इस मास में आपके श्रेष्ठ जन तथा उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे एवं आप उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगी। इस समय आजिविका संबधी कार्य में भी उन्नति होगी तथा दूर समीप की यात्रा भी कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप इस समय नवीन वस्त्रों तथा द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकेंगी। अतः यह मास आप प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी।

षष्ठ मास
10/08/2026 10:03:27 से 09/09/2026 20:34:30 तक

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप पति तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगी अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। आपके शत्रु भी इस मास में बलवान रहेंगे फलतः आपके लिए वे समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस समय आप में लोलुपता के भाव की अधिकता रहेगी धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर होंगी। इस समय आपके मन में उत्साह के भाव की कमी स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होंगी। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा इससे आप दुर्बलता की अनुभूति भी करेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके परस्पर अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा ये सभी लोग ऐसे समय में शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप मानसिक कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य जनों से भी वाद विवाद होते रहेंगे। अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अर्जित करेंगी। इससे आप पति एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा इनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र या आभूषणों आदि को भी प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगी।

सप्तम् मास
09/09/2026 20:34:30 से 10/10/2026 07:05:33 तक

इस मास में आप शुभ तथा अशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगी। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट आपको होते रहेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में अत्यन्त ही परिश्रम तथा पराक्रम से अल्प मात्रा में सफल हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकती हैं। आपके संबधियों तथा मित्रों से मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा आजीविका संबधी कार्यों में भी इस मास में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे।शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इस समय जिस कार्य को आप प्रारंभ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ आप को यदाकदा शुभफल भी प्राप्त होंगे। इससे आप पति का पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप किसी धार्मिक आचरण करनेमें भी सफल हो सकती हैं।

अष्टम् मास
10/10/2026 07:05:33 से 09/11/2026 17:36:36 तक

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर से आप कमजोर रहेंगी। साथ ही शत्रुपक्ष के बलवान होने के कारण आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। इस मास में आप अपने उच्चाधिकारियों का पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा उनसे आप किसी प्रकार दंडित भी हो सकती है।आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य इस मास में कम ही सफल होंगे तथा असफलता ही अधिक मिलेगी। इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकती है जिसके बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। आपके बन्धु एवं मित्रों से इस समय संबध तनाव पूर्ण रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। साथ ही समाज में भी आपके सम्मान में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पित से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार का भय भी विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आपको किसी प्रकार की क्षति या नुकसान हो सकता है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक आप अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

नवम् मास
09/11/2026 17:36:36 से 10/12/2026 04:07:39 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा तथा दुष्ट लोगों की संगति प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आपके कार्य पराक्रम एवं अत्यंत परिश्रम करने के बाद भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी।धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक मात्रा में विद्यमान रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकती हैं। बन्धुओं एवं मित्रों से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। अतः इनसे आपको किसी विशेष प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगी उनमें अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा तथा उससे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपकी इच्छित आशाएं भी इस समय पूर्ण नहीं होगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी से उत्पन्न रोगों के द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः आप इस मास में सतर्कता पूर्वक बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

दशम् मास
10/12/2026 04:07:39 से 09/01/2027 14:38:42 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेंगे। परन्तु अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी रहेगी। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा एवं आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है जिससे आपको सतर्क रहना चाहिए। आपको इस समय अपने उच्चाधिकारियों की आज्ञा का नम्रता पूर्वक पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा करने पर वे आपको दण्डित भी कर सकते है। आप के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में कम ही सफल होंगे तथा असफलता ही अधिक प्राप्त होगी। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ सकता है। इस मास में बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति या पुरूष वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपनी बुद्धिमता के द्वारा आप धनार्जन करेंगी एवं मध्यम रूप से सुखार्जन करने में भी सफल रहेंगी। अतः सावधानी एवं शान्ति पूर्वक अपने इस मास को व्यतीत करें।

एकादश मास
09/01/2027 14:38:42 से 09/02/2027 01:09:45 तक

इस मास में आप शुभ फल प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा आनन्दपूर्वक इसे व्यतीत करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण लाभ अर्जित करेंगी तथा सौभाग्य से युक्त होकर अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति भी आप रूचिशील रहेंगी एवं इसमें सफलता प्रप्त करेंगी। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होंगी। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगी एवं उनसे पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी। इस मास में समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस समय आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगी। इस मास में आपको नवीन वस्त्रों या स्वर्णादि के आभूषणों की प्राप्ति भी हो सकेगी। अतः सुख पूर्वक आपका यह समय व्यतीत होगा।

द्वादश मास
09/02/2027 01:09:45 से 11/03/2027 11:40:48 तक

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता बनी रहेगी। शत्रु प क्ष इस मास में आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी।साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता है। इस समय में आप 1 उच्चाधिकारी वर्ग तथा सरकार की आज्ञा की उपेक्षा न करें तथा विन्रमता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दण्डित भी हो सकती हैं।साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। फलतः आर्थिक क्षेत्र में भी आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगीं जिससे आपके सम्मान को ठेस पहुँचेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपका मनमुटाव रहेगा तथा आपकी इच्छाएं भी अपूर्ण रहेगी अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य आप समय समय पर शुभ फल भी अर्जित करेंगी।अतः आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नति करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकती हैं।